दैनिक
न्याय साक्षी

महत्वपूर्ण एवं खास

शराब के नशे में धुत्त होकर शराबी चढ़ा 50 फिट ऊंचे मोबाइल टावर पर

कोरबा (आरएनएस)। रविवार की शाम नशे में घर पहुंचने पर पत्नी और बेटी से विवाद होने पर एक व्यक्ति आत्महत्या करने की बात कहकर घर से निकला, जो एचटी लाइन के टॉवर पर 50 फीट ऊंचाई पर चढ़ गया। पुलिस ने समझाइश देकर उसे नीचे उतारा। हरदीबाजार चौकी अंतर्गत ग्राम केसला निवासी मसत राम कुर्रे 42 रविवार की शाम 4 बजे शराब के नशे में घर पहुंचा, जहां पत्नी और पुत्री ने शराब पीने पर आपत्ति जताई। इस पर उनके बीच पारिवारिक विवाद हो गया। नशे में आत्महत्या करने की जाने की बात कहकर वह घर से निकला। इसके बाद गांव के पास स्थित 400 केवी वाले एचटी लाइन के टॉवर पर चढ़ने लगा। परिजन और ग्रामीण उसके पीछे पहुंचे। मना करने के बावजूद वह टॉवर के 50 फीट ऊंचाई पर पहुंचकर बैठ गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर चौकी प्रभारी निरीक्षक राजेश पटेल स्टाफ समेत मौके पर पहुंचे। उन्होंने मसत राम को समझाइश दी। लेकिन वह कूदकर आत्महत्या की बात कहता रहा। मशक्कत के बाद समझाइश पर मानकर वह नीचे उतरा। तब परिजन समेत ग्रामीण व पुलिस बल ने राहत की सांस ली। इसके बाद परिजन को समझाइश देते हुए मसत राम को उनके सुपुर्द किया गया। ग्राम पंचायत ने मसत राम को मनाकर उतारने और बड़ी घटना को होने से बचाने पर निरीक्षक राजेश पटेल को धन्यवाद दिया।

सड़क पर बैठी गर्भवती गाय को जान बुझकर ट्रेक्टर चालक ने रौंद दिया, आरोपी गिरफ्तार

- गाय को रौंदते सीसी टीवी कैमरा में कैद हुआ ट्रेक्टर चाल

बिलासपुर (आरएनएस)। सड़क पर बैठी गर्भवती गाय को ट्रेक्टर चालक ने जानबुझकर रौंदकर हत्या कर दी। मामले की रिपोर्ट सरकण्डा थाने में दर्ज करायी गई है। मिली जानकारी के अनुसार नहर रोड मोपका बिलासपुर निवासी भागीरथी साहू 70 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज करायी हे कि होटल टेम्टेसन के पास मोपका में 5 को रात 11.30 बजे प्रार्थी को होटल संचालक घनश्याम तिवारी ने काल कर बताया कि उसकी सफेद कलर की गाय के उपर ट्रेक्टर क्रमांक सीजी 10 डब्लू ए 8419 के चालक ने जान बुझकर लोड गाड़ी का चढ़ा दिया। जिसके बाद प्रार्थी मौके पर पहुंच। घनश्याम तिवारी के होटल में लगे सीसी कैमरा फुटेज चेक करने पर बसंत विहार चौक की तरह से मोपका की ओर जा रही ट्रेक्टर ने जान बुझकर सड़क किनारे बैठी गर्भवती गाय के ऊपर लोड ट्रेक्टर को चढ़ाता दिखाई दे रहा है। जिसके चलते गाय की मौत हो गई। आस-पास पता करने पर ट्रेक्टर सानू यादव अशोकनगर सरकंडा निवासी का होने का पता चला तथा ट्रेक्टर चालक का नाम ईश्वर ध्रुव पिता रामगोपाल ध्रुव काली मंदिर के पास खमतराई निवासी के द्वारा जान बुझकर गाय के ऊपर ट्रेक्टर चढ़ाया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध कायम कर गिरफ्तार कर लिया है।

16 जून से राज्य में स्कूलों को खोला जा सकता है, शिक्षा मंत्री ने दिए बयान

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल खोलने को लेकर स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने बड़ा बयान दिए है। उन्होंने लंबे समय से लगातार कोरोना संक्रमण कम होने का हवाला देते हुए जल्द स्कूल खुलने की बात कही है। गौरतलब हो कि पिछले लंबे समय से कोरोना संक्रमण के बाद स्कूल-कॉलेज को बंद रखा गया है। जिस पर अब राहत मिलती दिख रही है। राज्य सरकार 16 जून से स्कूलों को बच्चों के लिए खोलने पर विचार कर रही है। शिक्षा मंत्री टेकाम ने कहा कि अभी संक्रमण काफी कुछ कम हुआ है। आशा है कि हम जल्द स्कूलों को बच्चों के लिए खोल देंगे।

छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में, संक्रमण दर अब घटकर मात्र 2.7 प्रतिशत पर

- **लगातार बढ़ाया गया रोजाना सैंपल जांच का दायरा, मई माह में प्रतिदिन औसत 61,740 सैंपलों की जांच**
- **राज्य सरकार का जोर संक्रमण को पूरी तरह काबू में लाने पर भूपेश बघेल**

रायपुर, 07 जून (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की स्थिति अब नियंत्रण में है। बीते 6 जून को प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार घटकर मात्र 2.7 प्रतिशत पर आ गई है। पिछले महीने 16 मई को यह आंकड़ा 9 प्रतिशत दर्ज किया गया, जबकि अप्रैल माह में संक्रमण की दर 30 प्रतिशत तक जा पहुंची थी। राज्य में रोजाना औसत टेस्टिंग जनवरी माह के 22 हजार 761 की तुलना में मई माह में 61 हजार 740 हो चुकी है। प्रदेश में टीकाकरण का कवरेज भी लगातार बढ़ता जा रहा है। कोरोना से बचाव के टीके की पहली और दूसरी खुराक को मिलाकर अब तक (6 जून तक) 71 लाख 14 हजार टीके लगाए जा चुके हैं। कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण और रोकथाम के लिए इसके लक्षण वाले 20 लाख 40 हजार संदिग्ध मरीजों को निःशुल्क दवा किट वितरित की गई हैं।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि अपनी ठोस रणनीति से छत्तीसगढ़ ने न केवल कोरोना की दूसरी लहर पर शीघ्रता से काबू पा लिया है, बल्कि तीसरी लहर की आशंका को समाप्त करने व्यापक स्तर पर तैयारी कर रही है। यदि तीसरी लहर आती भी है तो उससे और भी कुशलता के साथ निपटा जा सकेगा। उन्होंने कहा है कि इस समय हमारा पूरा जोर संक्रमण को पूरी तरह काबू में लाने और जहां लोग अभी भी संक्रमण का शिकार हो रहे हैं, वहां इसे रोकने टेस्टिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट की सुविधाओं के विस्तार पर है।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में प्रदेश में चिकित्सा सुविधाओं के लगातार विस्तार के फलस्वरूप कोरोना संक्रमितों की पहचान के लिए अब 39 लैबों में ट्रूनाट और 16 में आरटीपीसीआर टेस्ट की सुविधा मुहैया करायी जा ही है। इसके साथ ही आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए बलौदाबाजार, दुर्ग, दंतेवाड़ा, जांजगीर और जशपुर में पांच नए वायरोलॉजी लैब स्थापित किए जा रहे है। प्रदेश के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में एंटीजन टेस्ट की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। सभी जिलों में अतिरिक्त मशीन प्रदान कर ट्रूनाट लैब की जांच क्षमता भी बढ़ाई जा रही है।

कोरोना संक्रमितों के इलाज के लिए प्रदेश के छह शासकीय मेडिकल कॉलेजों और एम्स रायपुर सहित 37 डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल तथा 154 कोविड केयर सेण्टर बनाए गए हैं। हर जिले में भी डेडिकेटेड कोविड अस्पताल बनाए गए है। शासकीय डेडिकेटेड कोविड अस्पतालों में 5294 बेड तथा कोविड केयर सेण्टर्स में 16,405 बेड की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। वहीं निजी कोविड अस्पतालों में 9596 बेड उपलब्ध कराए गए है। शासकीय और निजी अस्पतालों को मिलाकर प्रदेश में 1151 वेंटिलेटर उपलब्ध हैं। ऑक्सीजेनेटेड बेड की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य में 18 नए ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट्स स्थापित किये गए हैं। इनके साथ ही छह नए प्लांट्स प्रक्रियाधीन हैं जिनमें से तीन प्लांट अगले एक सप्ताह में स्थापित हो जायेंगे।

छत्तीसगढ़ में कोरोना की रफ्तार थमी पर ब्लैक फंगस का ग्राफ बढ़ा

- **कोरोना मरीजों के साथ ठीक हुए मरीजों में भी ब्लैक फंगस का खौफ बढ़ा**

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में कोविड-19 की दूसरी लहर लगभग शांत पड़ गया है, जिससे प्रदेश में कोरोना संक्रमण के नये मामले आने अब कम हो गये है जिससे कोरोना का खौफ भी लोगों में अब कम हो गया है, लेकिन ब्लैक फंगस के रूप में प्रदेश में आयी बीमारी का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है जिससे कोरोना संक्रमितों के साथ-साथ कोरोना को हरा चुके लोगों में भी इस बीमारी का खौफ देखा जा रहा है। प्रदेश में ब्लैक फंगस से अब तक 16 मौतें हो चुकी है, जबकि 250 से अधिक मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश में ब्लैक फंगस के सर्वाधिक मामले में दुर्ग जिले में सामने आये है। यहां अब तक 67 मरीजों की पुष्टि हो चुकी है, वहीं राजधानी रायपुर में 48 मामले सामने आए है। इसके अलावा बिलासपुर में 33, रायगढ़ में 21 मरीज, राजनांदगांव में 16 व जांजगीर-चांपा में 14 मरीजों की अब तक पुष्टि हो चुकी है। प्रदेश में ब्लैक फंगस भी कोविड-19 की दूसरी लहर की शुरूआती दिनों की तरह काफी घातक साबित हो रही है। ब्लैक फंगस की सर्जरी होने के बावजूद कई मरीजों की जानें जा चुकी है जिससे चिकित्सकों में भी इस बात को लेकर हड़कंप मचा हुआ है। चिकित्सकों के अनुसार ब्लैक फंगस से बचने के बाद भी कई तरह के साईड इफेक्ट्स मानव शरीर में देखने को मिल रहे है।

प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 77 प्रतिशत नागरिकों का टीकाकरण, अब तक 71.14 लाख टीके लगाए गए

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 77 प्रतिशत नागरिकों को कोरोना से बचाव का पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं शत-प्रतिशत फ्रंटलाइन वर्कर्स और 90 प्रतिशत स्वास्थ्य कर्मियों को पहली खुराक दी जा चुकी है। 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग के आठ लाख 31 हजार युवाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। सभी आयु वर्ग और श्रेणियों के व्यक्तियों को लगाए गए पहली और दूसरी डोज को मिलाकर प्रदेश में अब तक (6 जून तक) 71 लाख 14 हजार टीके लगाए गए हैं।

प्रदेश में 45 वर्ष से अधिक के 58 लाख 67 हजार लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य है। इनमें से अब तक 45 लाख 31 हजार से अधिक लोगों को कोरोना से बचाव के टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। महासमुंद, रायगढ़ और धमतरी जिले में इस आयु वर्ग के शत-प्रतिशत लोगों को पहला डोज लगाया जा चुका है। वहीं कांकेर में 94 प्रतिशत, बालोद में 93 प्रतिशत, कोरबा में 92 प्रतिशत और सूरजपुर में 91 प्रतिशत लोगों को टीका लगाया गया है। सरगुजा में 45 वर्ष से अधिक के 89 प्रतिशत नागरिकों को, दुर्ग में 88 प्रतिशत को, कोंडागांव में 84 प्रतिशत, जशपुर में 81 प्रतिशत, सुकमा में 80 प्रतिशत, दंतेवाड़ा में 78 प्रतिशत, राजनांदगांव में 77 प्रतिशत, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, गरियाबंद और कोरिया में 76-76 प्रतिशत, जांजगीर-चांपा में 72 प्रतिशत, बस्तर में 71 प्रतिशत, बलरामपुर-रामानुजगंज में 68 प्रतिशत, कबीरधाम में 63 प्रतिशत, बलौदाबाजार-भाटापारा में 62 प्रतिशत, बिलासपुर में 60 प्रतिशत, मुंगेली में 59 प्रतिशत, रायपुर में 56 प्रतिशत, बेमेतरा में 55 प्रतिशत, बीजापुर में 54 प्रतिशत तथा नारायणपुर जिले में 47 प्रतिशत को पहला टीका लगाया जा चुका है। प्रदेश में इस आयु वर्ग के सात लाख पांच हजार से अधिक व्यक्तियों को टीके की दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। राज्य में 18 से 44 वर्ष के आठ लाख 31 हजार से अधिक युवाओं को कोरोना से बचाव के लिए पहला टीका लग चुका है। इनमें एक लाख छह हजार 440 अंत्योदय परिवारों के, तीन लाख 38 हजार 749 बीपीएल परिवारों के, तीन लाख छह हजार 778 एपीएल श्रेणी के और 79 हजार 314 फ्रंटलाइन वर्कर्स शामिल हैं।

किसान चौपाल : खरीफ अभियान सह ऋण वितरण शिविर का हो रहा आयोजन

रायगढ़। किसान चौपाल-खरीफ अभियान वर्ष 2021-22 सह ऋण वितरण शिविर का समिति स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए कलेक्टर भीम सिंह ने आदेश जारी किया है। जिसमें कृषि तथा राजस्व विभाग और जिला सहकारी केंद्रीय बैंक व बीज निगम अंतर्गत विभिन्न योजनाओं व सुविधाओं की जानकारी देने के साथ ही किसानों को लाभ दिया जाएगा। इसमें कृषि विभाग अंतर्गत बीज, खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट का उठाव, राजीव गांधी किसान न्याय योजना, गोधन न्याय योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनायें व अन्य सम सामयिक सलाह शामिल है। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के तहत किसान क्रेडिट कार्ड व बीज, खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट वितरण से संबंधित समस्त कार्य, राजस्व विभाग अंतर्गत पटवारी द्वारा अभिलेखों का सत्यापन एवं बी-1 खसरा, नक्शा उपलब्ध कराना एवं बीज निगम अंतर्गत कृषि यंत्रों का प्रदर्शन एवं चेम्पस का आवेदन प्राप्त कर इंद्राज करने के कार्य शामिल है। ऋण वितरण शिविर के लिये विकासखण्डवार नोडल तथा सहायक नोडल अधिकारी बनाये गये है। शिविर आयोजन करते समय कोविड प्रोटोकाल का पूर्णतः पालन करना होगा। शिविर में सेवा सहकारी समिति प्रबंधक, व्यवसायिक बैंक के शाखा प्रबंधक, राजस्व विभाग के तहसीलदार, नायब तहसीलदार, पटवारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के शाखा प्रबंधक, बीज निगम के प्रबंधक शिविर स्थल पर समय में उपस्थित रहकर अपने विभाग से संबंधित बिन्दुओं पर कार्यवाही पूर्ण करेंगे।

रायगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को नंदेली, बायंग, भातपुर, 9 जून को कोकड़ीतराई, कोड़तराई, तरकेला, 10 जून को जामगांव, टारपाली एवं लोईंग में शिविर आयोजित की जायेगी। सारंगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को सालर, कनकबीरा, कपरतुंगा, मल्दा ब, अमझर, नौरंगपुर, कोसीर छोटे, 9 जून को भेड़वन, खैरा बड़े, हरदी, कोतरी, गुडेली, 10 जून को छिंद, केडार, परसदा बड़े, गाताडीह, कटेली, कोसीर, बरमकेला विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को बार, देवगांव, बड़े नावापारा, 9 जून को बरमकेला, साल्हेओना, लोधिया, गोबरसिंहा, 10 जून को लेन्ध्रा, तौसीर, कुम्हारी, करनपाली, कालाखुंटा, कंठीपाली, दुलोपाली, धरमजयगढ़ विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को खड़गांव 180, गेरसा, छाल, कुड़ेकेला, 9 जून को धरमजयगढ़, सिसरिंगा, 10 जून को कुडुमकेला एवं कुरमीभौना, घरघोड़ा विकासखण्ड अंतर्गत 11 जून को घरघोड़ा, छर्राटांगर, टेण्डानावापारा, खरसिया विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून चपले, जैमुरा, मूरा भूपदेवपुर, 9 जून को तुरेकेला, बरगढ़, हालाहुली, खरसिया एवं बानीपाथर, लैलूंगा विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को राजपुर, लैलूंगा, 9 जून को लारीपानी, लिबरा, पुसौर विकासखण्ड अंतर्गत 9 जून को कोड़ातराई, गढ़उमरिया, गोर्रा, तेलीपाली, नवापारा माण्ड, 10 जून को बड़े भंडार, जतरी, तेतला, तिलगी तथा तमनार विकासखण्ड अंतर्गत 8 जून को हमीरपुर, सराईपाली, 9 जून को उरबा, खम्हरिया एवं 10 जून को जरेकेला एवं सराईटोला में शिविर आयोजित की जायेगी।

एक लाख का इनामी सहित 4 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाडा, (आरएनएस)। जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र के अति संवेदनशील ग्राम कुटरेम से आज एक लाख का इनामी मिलिशिया कमांडर बोटी उर्फ भीमा वेट्टी सहित 04 नक्सलियों में मिलिशिया डिप्टी कमांडर धुरुवा कुंजाम, जनमिलिशिया सदस्य बुधराम उर्फ गुड्डू तामो एवं जनमिलिशिया सदस्य सोमडू तामो ने दंतेवाड़ा एसपी डॉ अभिषेक पल्लव के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने एक बड़ा खुलासा किया है, नक्सलियों की माने तो नक्सली कमांडर देवा व जयलाल सिलगेर केम्प का विरोध करने के लिए ग्रामीणों को सिलगेर जाने का दबाव बना रहे थे, उन्होने बताया कि नक्सली ग्रामीणों पर भी विरोध का दबाव बना रहे हैं, और जो ग्रामीण विरोध करने सिलगेर नही जा रहे है, उन पर नक्सली 500 रुपये का दंड लगा रहे है। दंतेवाड़ा एसपी डॉ.अभिषेक पल्लव ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सली विरोध करने के लिए सिलगेर जाने का दबाव बना रहे हैं, जो ग्रामीण विरोध करने सिलगेर नही जा रहे है, उन पर नक्सली 500 रुपये का दंड लगा रहे है।

बेटी से छेड़छाड़, परेशान पिता ने की हत्या कर युवक का शव दफनाया

जांजगीर (आरएनएस)। अड़भार चौकी क्षेत्र में बेटी से की जा रही छेड़छाड़ से परेशान होकर एक पिता ने फिल्मी स्टाईल में एक युवक की हत्या कर उसकी लाश को दफन कर दिया। इस मामलें में 39 दिनों बाद पुलिस को सफलता मिली और पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ़्तार कर लिया।

मिली जानकारी के अनुसार अड़भार चौकी क्षेत्र स्थित एक गांव में एक युवक द्वारा लगातार एक लड़की से छेड़छाड़ किया जा रहा था जिसकी जानकारी लड़की ने अपने पिता को दी थी। इस बात को लेकर लड़की का पिता युवक से काफी नाराज था। इस बीच उसे जानकारी मिली कि युवक ने उसकी बेटी के साथ एक बार फि र छेड़छाड़ की है, इसके बाद तो उसने जैसे आपना आपा खो दिया। आरोपी ने युवक की हत्या कर उसके शव को दफ्न कर दिया था। इधर युवक के लापता होने के बाद उसके परिजन युवक को ढूंढने का दवाब पुलिस पर बना रहे थे। काफी दिनों बाद भी जब युवक का पता नही चला तो युवक का पता बताने वाले के लिए 5 हजार का इनाम की भी घोषणा की गई। इसी दौरान मामलें की जांच कर रही पुलिस को अहम मिले। पुलिस को युवक द्वारा छेड़छाड़ करने की जानकारी मिली जिसपर पुलिस ने मामलें में लड़की तथा उसके पिता से पुछताछ भी किंतु उनके द्वारा पुलिस को लगातार गुमराह किया जाता रहा। किंतु पुलिस को सफलता मिल ही गई और 39 दिनों से लापता युवक के बारे में जब जानकारी मिली तो सबके होश उड़ गए। पुलिस की जांच में पता चला है कि बेटी से छेड़छाड़ के बाद युवती के पिता ने आरोपी की हत्या कर उसके शव को दफन कर दिया था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पिता ने बिल्कुल अजय देवगन की दृश्यम फिल्म की तरह अपनी बेटी से छेड़छाड़ करने वाले युवक को मारकर दफना दिया था।

SJU - Contact No. +91 9301915303
E-mail ID- sjunion29@gmail.com
Social Justice Union
Registered with Govt. No. 5526
Join SJU
अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता
इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कृष्ण सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी टकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य क्षेत्र में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां
मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु
प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें
संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु
- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।
Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

बाड़ी विकास से जुड़कर महिला समूह को मिल रही आर्थिक स्वावलंबन की राह

रायगढ़ । सुराजी ग्राम योजना अंतर्गत गौठानों में बाड़ी विकास के कार्य किये जा रहे हैं। यह ग्राम स्तर पर आजीविका संवर्धन और पोषण सुदृढ़ीकरण के लिए बेहतर विकल्प उपलब्ध करा रहे हैं। बाड़ी विकास से जुड़कर महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएं सब्जी तथा बागवानी फसलों का उत्पादन कर रही हैं। यह फसल उनके दैनिक उपयोग के साथ ही अतिरिक्त आय का जरिया भी बन रही है। जिससे महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को स्वावलंबन को बढ़ावा मिल रहा है।

पुसौर विकास खण्ड के गौठान ग्राम सुपा के 0.8 हेक्टेयर भूमि पर बाड़ी विकास के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं बागवानी व सब्जी उगा रही हैं। 14 स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने मिलकर यह काम कर रही है। गौठान अंतर्गत बाड़ी विकास कार्य मे स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने 0.8 हेक्टेयर भूमि में अपनी रुचि के अनुसार बागवानी फसल प्याज, लाल भाजी, पालक भाजी, मूली, बीन्स, भिंडी, मक्का आदि फसलों का उत्पादन किया था। अभी समूह की महिलाओं के द्वारा 0.6 हेक्टेयर जमीन में प्याज की खेती की गई थी। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन में 57.50 क्विंटल प्याज का कुल उत्पादन प्राप्त हुआ था।

स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने बताया कि बाड़ी विकास के अंतर्गत सब्जी उत्पादन से न केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार की हरी सब्जियां आसानी से अब यहां उपलब्ध हो रही हैं। बल्कि इसके विक्रय से आर्थिक लाभ भी मिल रहा है। सभी स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने अपनी इस सफलता में बिहान की टीम और उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि परिवार के दैनिक उपयोग हेतु तथा कुपोषण को दूर करने के लिए एवं अतिरिक्त आमदनी के स्रोत का सृजन कर, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निवास स्थान के समीप उपलब्ध भूमि पर फल, सब्जी एवं पुष्प की खेती किया जाना ही सुराजी गांव योजना अंतर्गत बाड़ी की परिकल्पना का मुख्य आधार हैं। योजनान्तर्गत महिलाओं महिला स्व-सहायता समूह को चिन्हित कर योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा हैं। बाड़ी से ग्रामीण परिवारों के अतिरिक्त आय में वृद्धि हो रही है तथा उनका भोजन संतुलित हो रहा है।